राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

माध्यमिक पाठ्यक्रम : चित्रकला

पाठ 4 : भारत की लोक कला

कार्यपत्रक -4

1. तीन ठेठ उपयोगी लोक कलाओं की पहचान कीजिये तथा इस कला के विषय में संक्षेप में लिखिए।
2. 'पीढ़ी दर पीढ़ी कलात्मक नमूने दोहराये जाते हैं', इस कला के प्रकार का नाम लिखिए और वे कारण भी लिखिए कि इसमें ऐसा क्यों करते हैं?
3. लोक कलाकार ने पुराने ढांचे में नई शैली कैसे विकसित की ? वर्णन कीजिये।
4. भारत में प्रचलित चार भूमि चित्र प्रकारों की पहचान कीजिये और किसी एक का वर्णन कीजिये ।
5. स्तंभ अभिप्रायों के संकेतात्मक अर्थ के विषय में वर्णन कीजिये ।
6. रंगीन धागों से कपड़ों पर की जाने वाली कढ़ाई की पहचान कीजिये और उसके विषय में कुछ पंक्तियां लिखिए ।
7. फ़ुलकारी नमूनों के मूल अभिप्राय और प्रतिरूप क्या हैं?
8. 'इस संज्ञा का प्रयोग पंजाब की लोक महिलाओं के द्वारा की जाने वाली एक प्रकार की कढ़ाई के लिये होता है', इस संज्ञा की पहचान करें तथा वे इस कार्य को कैसे करती थीं?
9. कंथा कढ़ाई में प्रयोग किये जाने वाले शैलीगत प्रारूपों का वर्णन कीजिये ।
10. कंथा कढ़ाई की पारंपरिक शैली और तक़नीक के विषय में संक्षेप में लिखिए।